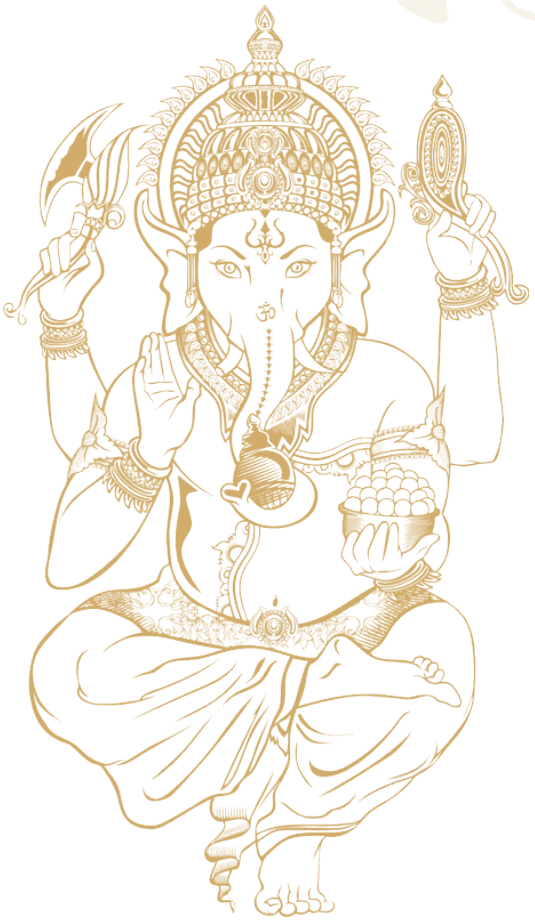

Mr.

09 Jul 1982

03:30 AM

Karnal

Model: web-freekundliweb

Order No: 121373706

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**8-09/07/1982**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**03:30:00 घंटे**
इष्ट	55:04:38 घटी
स्थान	**Karnal**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:41:00 उत्तर
रेखांश	76:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:07:56 घंटे
वेलान्तर	-00:04:56 घंटे
साम्पातिक काल	22:14:03 घंटे
सूर्योदय	05:28:08 घंटे
सूर्यास्त	19:25:43 घंटे
दिनमान	13:57:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	22:47:06 मिथुन
लग्न के अंश	24:51:51 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	प्रीति
करण	वणिज
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खो-खोकरन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	24:51:51	352:48:42	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	---
सूर्य			मिथु	22:47:06	00:57:11	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	सम राशि
चंद्र			मक	21:22:11	12:05:00	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			कन्या	22:57:56	00:28:26	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	शत्रु राशि
बुध			मिथु	05:25:36	01:42:28	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	स्वराशि
गुरु			तुला	07:00:50	00:01:59	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	22:18:29	01:11:33	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
शनि			कन्या	22:14:13	00:02:01	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	19:43:35	00:00:20	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	उच्च राशि
केतु	व		धनु	19:43:35	00:00:20	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	उच्च राशि
हर्ष	व		वृश्चि	07:22:24	00:01:29	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
नेप	व		धनु	01:29:27	00:01:29	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	00:30:46	00:00:09	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	07:52:27	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:36:30

लग्न-चलित

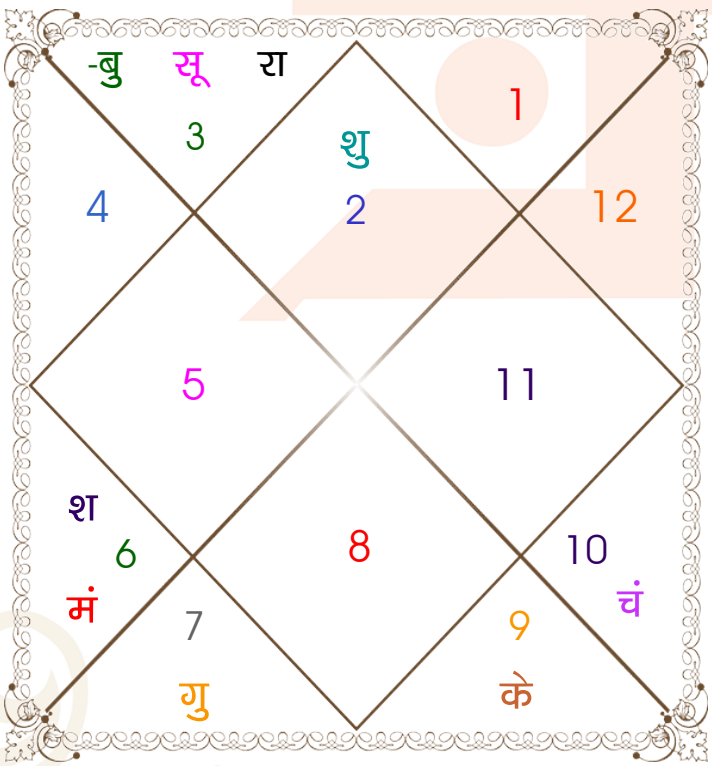

चन्द्र कुंडली

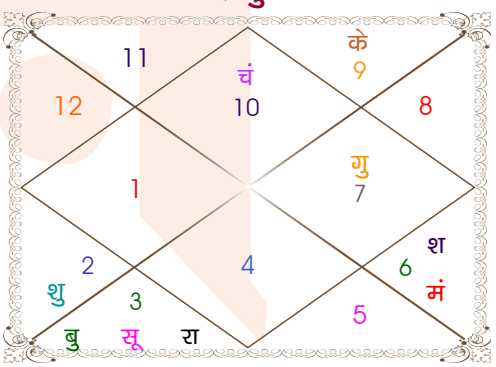

नवमांश कुंडली

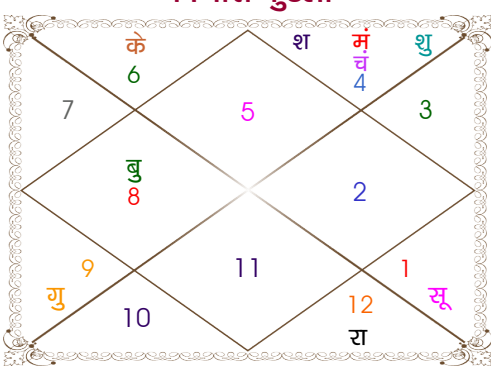

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 1 वर्ष 5 मास 20 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
09/07/1982		29/12/1983		28/12/1990		28/12/2008		28/12/2024	
29/12/1983		28/12/1990		28/12/2008		28/12/2024		29/12/2043	
	00/00/0000	मंगल	26/05/1984	राहु	09/09/1993	गुरु	15/02/2011	शनि	01/01/2028
	00/00/0000	राहु	13/06/1985	गुरु	03/02/1996	शनि	28/08/2013	बुध	10/09/2030
	00/00/0000	गुरु	20/05/1986	शनि	10/12/1998	बुध	04/12/2015	केतु	20/10/2031
	00/00/0000	शनि	29/06/1987	बुध	28/06/2001	केतु	09/11/2016	शुक्र	19/12/2034
	00/00/0000	बुध	25/06/1988	केतु	17/07/2002	शुक्र	11/07/2019	सूर्य	01/12/2035
	00/00/0000	केतु	21/11/1988	शुक्र	17/07/2005	सूर्य	28/04/2020	चंद्र	01/07/2037
	09/07/1982	शुक्र	21/01/1990	सूर्य	10/06/2006	चंद्र	28/08/2021	मंगल	10/08/2038
शुक्र	29/06/1983	सूर्य	29/05/1990	चंद्र	10/12/2007	मंगल	04/08/2022	राहु	16/06/2041
सूर्य	29/12/1983	चंद्र	28/12/1990	मंगल	28/12/2008	राहु	28/12/2024	गुरु	29/12/2043

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
29/12/2043		28/12/2060		29/12/2067		29/12/2087		28/12/2093	
28/12/2060		29/12/2067		29/12/2087		28/12/2093		00/00/0000	
बुध	26/05/2046	केतु	26/05/2061	शुक्र	29/04/2071	सूर्य	16/04/2088	चंद्र	28/10/2094
केतु	23/05/2047	शुक्र	26/07/2062	सूर्य	28/04/2072	चंद्र	16/10/2088	मंगल	29/05/2095
शुक्र	23/03/2050	सूर्य	01/12/2062	चंद्र	28/12/2073	मंगल	21/02/2089	राहु	27/11/2096
सूर्य	28/01/2051	चंद्र	02/07/2063	मंगल	27/02/2075	राहु	15/01/2090	गुरु	29/03/2098
चंद्र	28/06/2052	मंगल	28/11/2063	राहु	27/02/2078	गुरु	03/11/2090	शनि	29/10/2099
मंगल	25/06/2053	राहु	16/12/2064	गुरु	28/10/2080	शनि	16/10/2091	बुध	30/03/2101
राहु	13/01/2056	गुरु	22/11/2065	शनि	29/12/2083	बुध	22/08/2092	केतु	29/10/2101
गुरु	20/04/2058	शनि	31/12/2066	बुध	28/10/2086	केतु	28/12/2092	शुक्र	10/07/2102
शनि	28/12/2060	बुध	29/12/2067	केतु	29/12/2087	शुक्र	28/12/2093		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 1 वर्ष 5 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।